4th नो मनी फॉर टेरर कॉन्फ्रेंस

स्रोत: पी.आई.बी.

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने जर्मनी में चौथे **नो मनी फॉर टेरर कॉन्फ्रेंस (NMFT)** में भाग लिया।

- भारत ने **आतंकवाद से निपटने में वैश्विक एकता पर बल** दिया तथा **नई दिल्ली में NMFT के स्थायी सचिवालय** के लिये अपना प्रस्ताव दोहराया।
- **नो मनी फॉर टेरर कॉन्फ्रेंस:**
  - **शुरुआत:** इसे **वर्ष 2018 में फ्राँस** द्वारा शुरू किया गया था।
    - **पिछले सम्मेलन:** फ्राँस (पेरिस, 2018), ऑस्ट्रेलिया (2019) और भारत (2022)।
  - **उद्देश्य**: इसका उद्देश्य **आतंकवाद के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा** देना है।
- **उप-विषय:** इस सम्मेलन में **4 प्रमुख उप-विषयों** के माध्यम से **आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला** करने के वैश्विक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया:
  - **बहुपक्षीय सहयोग**
  - **आतंकवाद के वित्तपोषण के तरीके**
  - **वित्तीय समावेशन एवं जोखिम-आधारित दृष्टिकोण**
  - **आतंकवाद का वित्तपोषण एवं संगठित अपराध**
- **आतंकवाद-विरोधी एवं आतंकवाद के वित्तपोषण पर इसी प्रकार के सम्मेलन:**
  - **वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) की प्लेनरी बैठक** : इसके तहत धन शोधन निवारण (AML) और आतंकवाद वित्तपोषण निवारण (CTF) पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
  - **संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी सप्ताह**: वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीतियों पर चर्चा करने के लिये इसे संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी कार्यालय (UNOCT) द्वारा आयोजित किया जाता है।

और पढ़ें: आतंकवाद-रोधी प्रयासों में भारत का योगदान

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/4th-no-money-for-terror-conference